भारत सरकार
पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1114
(दिनांक 16.12.2013 को उत्तर दिए जाने के लिए)

राजस्थान में स्वच्छता परिदृश्य

1114. डा॰ ज्ञान प्रकाश पिलानियाः

क्या पेयजल और स्वच्छता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राजस्थान में स्वच्छता परिदृश्य का ब्यौरा क्या है;

(ख) शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों में कितने घर हैं;

(ग) उनमें से कितने घरों को पूर्ण स्वच्छता अभियान (टीएससी) के अंतर्गत शामिल किया गया है;

(घ) मंत्रालय द्वारा राज्य में स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करने के लिए कार्यान्वित या कार्यान्वयनाधीन योजनाएं अथवा परियोजनाएं कौन–कौन सी हैं; और

(ङ) गत तीन वर्षों के दौरान इस संबंध में कितनी निधियां आबंटित की गई हैं और उसके परिणामस्वरूप क्या उपलब्धि प्राप्त हुई है?

उत्तर
पेयजल और स्वच्छता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री भरतसिंह सोलंकी)

(क) वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के 35.7% परिवारों में शौचालय की सुविधा है।

(ख) वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में ग्रामीण तथा शहरी परिवारों की संख्या निम्नानुसार हैः–

	कुल परिवार
ग्रामीण	9490363
शहरी	3090940
कुल	**12581303**

(ग) 30 नवम्बर 2013 की स्थिति के अनुसार, संपूर्ण स्वच्छता अभियान (टीएससी)/निर्मल भारत अभियान (एनबीए) के अंतर्गत राज्य सरकार ने 4625936 व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों के निर्माण की सूचना दी है।

(घ) भारत सरकार निर्मल भारत अभियान (एनबीए) को चलाती है जिसके जरिए वह राजस्थान सहित देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्यों को सहायता प्रदान करती है।

(ङ.) राजस्थान में पिछले तीन वर्षों के दौरान एनबीए के अंतर्गत जारी की गई केन्द्रीय निधियों तथा उपलब्धियों का ब्यौरा निम्नलिखित है:

	एनबीए द्वारा जारी केन्द्रीय निधि (रुपए करोड़ों में)	निर्मित व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों की संख्या	निर्मित स्कूली शौचालयों की संख्या	निर्मित ऑगनवाड़ी शौचालयों की संख्या	निर्मित शौचालय समूहों की संख्या
2010-11	56.71	750948	6323	1734	48
2011-12	54.24	730385	5297	2015	79
2012-13	137.71	252800	15511	3421	70

****